

ほたる火

一二揚

四	合	中	工	七	五	中	工	五	七	四	合	老	上
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	合	老	上	七	四	合	中	工	五	中	七	工	中	七
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	五	七	四	中	工	〇	工	五	七	四	合	中	五
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

工	合	中	五	工	中	上	老	四	〇	四	五	七
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	合	老	四	上	老	四	老	合	老	四	〇
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

四	五	七	四	合	四	五	七	四	中	五	中	工	〇
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

工	中	上	老	四	五	七	四	中	工	五	七	四	合	中
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

工	七	五	中	工	五	七	四
---	---	---	---	---	---	---	---

一、いちぐままと思て 語らたる  
 二人どやしが肝変て  
 無情ぬゆむ女 我ん捨てて  
 他人になりて

二、月や入り下て 夜ん更きて  
 布だきになとい  
 一人我がよ宿に 戻る苦りさ  
 いちやがすゆら

三、思事やあまた 我ぬあしが  
 語てなぐさむ人居らん  
 あきよ此ぬ世界や 闇がやゆら  
 かにん苦りさ

四、無情ぬ此ぬ世界に 生りたる  
 我身ぬ心ぬちりなさや  
 迷て飛び廻る 螢火ぬ心さだみ